PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

**Punjab Kesari, Delhi**
**Mon, 31 Jul 2017, Page 1**
**Width: 23.79 cms, Height: 14.66 cms, a4r, Ref: 48.2017-07-31.10**

# नया भारत बनाना है

## मन की बात में मोदी का आह्वान
## आतंकवाद-गंदगी को भगाना होगा

**पंजाब केसरी**/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को 'अगस्त क्रांति' की याद दिलाते हुए इस स्वतंत्रता दिवस पर हर नागरिक से नये भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लेने तथा अगले पांच वर्षों में इसे सिद्ध करने का अभियान चलाने को कहा है। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि देश इस वर्ष 1942 की अगस्त क्रांति की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है जिसमें हर भारतीय द्वारा लिये गये संकल्प के चलते पांच वर्ष बाद करोड़ों लोगों का सपना साकार हुआ था और देश को आजादी मिली थी। उन्होंने कहा कि आज से पांच वर्ष बाद 2022 में देश आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनायेगा ऐसे में ये पांच साल देश के भविष्य के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं। नये भारत के निर्माण के लिए यह देश के सामने एक बार फिर संकल्प लेने और उसे सिद्ध करने का मौका है।

▸ शेष पृष्ठ 14 पर

## देशवासी संकल्प लें

- 2022 में आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर यह संकल्प अपना असर दिखाएगा

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

**Punjab Kesari, Delhi**
**Mon, 31 Jul 2017, Page 1**
**Width: 5.49 cms, Height: 10.21 cms, a4, Ref: 48.2017-07-31.10**

## नया भारत बनाना है...

उन्होंने कहा कि गंदगी व आतंकवाद हमे भगाना होगा। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को हर भारतवासी संकल्प ले कि वह राष्ट्र के निर्माण में कुछ न कुछ योगदान देगा। हमें इस वर्ष को संकल्प वर्ष बनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा,' अगर सवा-सौ करोड़ देशवासी 9 अगस्त, क्रांति दिवस को याद करके, इस 15 अगस्त को हर भारतवासी संकल्प करे, व्यक्ति के रूप में, नागरिक के रूप में-मैं देश के लिए' व्यक्ति के रूप में, नागरिक के रूप में - मैं देश के लिए इतना करके रहूंगा, परिवार के रूप में ये करूंगा, समाज के रूप में ये करूंगा, गांव और शहर के रूप में ये करूंगा,

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

**Punjab Kesari, Delhi**
**Mon, 31 Jul 2017, Page 1**
**Width: 5.44 cms, Height: 34.31 cms, a3, Ref: 48.2017-07-31.10**

सरकारी विभाग के रूप में ये करूंगा, सरकार के नाते ये करूंगा। करोड़ों-करोड़ों संकल्प हों। करोड़ों-करोड़ों संकल्प को परिपूर्ण करने के प्रयास हों। तो जैसे 1942 ह्न— 1947 पांच साल देश को आजादी के लिए निर्णायक बन गए। ये पांच साल 2017 से 2022 के, भारत के भविष्य के लिए भी निर्णायक बन सकते हैं और बनाने हैं।' श्री मोदी ने कहा कि, 'हमें अगस्त मास संकल्प के साथ जुड़ना है और हमें संकल्प करना है। गंदगी - भारत छोड़ो, गरीबी- भारत छोड़ो, भ्रष्टाचार-भारत छोड़ो, आतंकवाद -भारत छोड़ो, जातिवाद-भारत छोड़ो, सम्प्रदायवाद - भारत छोड़ो। आज आवश्यकता 'करेंगे या मरेंगे' की नहीं, बल्कि नये भारत के संकल्प के साथ जुड़ने की है, जुटने की है, जी-जान से सफलता पाने के लिये पुरुषार्थ करने की है। संकल्प को लेकर के जीना है, जूझना है। आइए, इस अगस्त महीने में 9 अगस्त से संकल्प से सिद्धि का एक महाभियान चलाएं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि अगस्त महीना क्रांति का महीना होता है और उसका कारण है, एक अगस्त, 1920 -'असहयोग आन्दोलन' प्रारंभ हुआ, 9 अगस्त, 1942-'भारत छोड़ो आन्दोलन' प्रारंभ हुआ, जिसे 'अगस्त क्रांति' के रूप में जाना जाता है और 15 अगस्त,1947-देश आजाद हुआ। उन्होंने कहा कि अगस्त महीने की कई घटनाएं आजादी की तारीख के साथ विशेष रूप से जुड़ी हुई हैं। इस वर्ष हम 'भारत छोड़ो' आन्दोलन की 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं। लेकिन बहुत कम लोग इस बात को जानते हैं कि 'भारत छोड़ो'-ये नारा डॉ. यूसुफ मेहर अली ने दिया था। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को जानना चाहिए कि 1857 से 1942 तक जो आजादी की ललक के साथ देशवासी जुड़ते रहे, झेलते रहे वे इतिहास के पन्ने भव्य भारत के निर्माण के लिए हमारी प्रेरणा हैं। आजादी के वीरों ने त्याग, तपस्या, बलिदान दिए हैं, उससे बड़ी प्रेरणा क्या हो सकती है। 'भारत छोड़ो आन्दोलन' भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन का एक महत्वपूर्ण संघर्ष था। ये वो समय था, जब अंग्रेत्री सत्ता के विरोध में भारतीय जनमानस हिंदुस्तान के हर कोने में, गांव हो, शहर हो, पढ़ा हो, अनपढ़ हो, गरीब हो, अमीर हो, हर कोई कंधे-से-कंधा मिला करके 'भारत छोड़ो आन्दोलन' का हिस्सा बन गया था। जन-आक्रोश अपनी चरम सीमा पर था। महात्मा गांधी के आह्वान पर लाखों भारतवासी 'करो या मरो' के मंत्र के साथ अपने जीवन को संघर्ष में झोंक रहे थे।